कक्षा-X हिंदी 'ब'
प्रश्न-पत्र प्रारूप 2008

प्रश्नों के प्रकार	खंड 'क' अपठित बोध	खंड 'ख' रचना	खंड 'ग' व्यावहारिक व्याकरण	खंड 'घ' पाठ्य-पुस्तकें	विशेष टिप्पणी
अतिलघूत्तरात्मक	गद्यांश 2(2) काव्यांश 2(2)		शब्द पद और पदबन्ध 4(4) मिश्र और संयुक्त वाक्य 4(4) संधि समास उपसर्ग और प्रत्यय 4(8) मुहावरे एवं लोकोक्तियों का प्रयोग 4(4) पयार्यवाची विलोम एवं अनेकार्थी शब्द 4(4)		भाव ग्रहण योग्यता // अवबोध और प्रयोग // // // //
लघूत्तरात्मक प्रश्न	गद्यांश 10(5) काव्यांश 6(3)			गद्यांश (स्पर्श) 2(1) काव्य खंड (स्पर्श) 2(2) गद्यांश (स्पर्श) 6(3) पद्यांश 6(3) पूरक पुस्तक (संचयन) 6(3) गद्यांश (स्पर्श) 12(4) पद्यांश (स्पर्श) 12(4)	अभिव्यक्ति व अवबोध // भव ग्रहण योग्यता // अवबोध व भावग्रहण एव लेखन // // // //
निबंधात्मक प्रश्न		पत्र 5(1) अनुच्छेद 5(1)		पूरक पुस्तक (संचयन) 4(1)	लेखन और अभिव्यक्ति // अवबोध, लेखन व अभिव्यक्ति

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-1

कक्षा-X

हिंदी (पाठ्यक्रम-'ब')

समयः 3 घंटे **पूर्णांक - 100**

निर्देशः

1. इस प्रश्नपत्र के चार खण्ड हैं - 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'।
2. चारों खण्डों के उत्तर देना अनिवार्य है। यथासंभव प्रश्नों के उपभागों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	खण्ड 'क'	
1.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिएः-**	12
	परिश्रम को सफलता की कुंजी माना गया है। जीवन में सफलता पुरुषार्थ से ही प्राप्त होती है। कहा भी है - उद्योगी पुरुष सिंह को लक्ष्मी वरण करती है। जो भाग्यवादी हैं उन्हें कुछ नहीं मिलता। वे हाथ-पर-हाथ धरे रह जाते हैं। अवसर उनके सामने से निकल जाता है। भाग्य कठिन परिश्रम का ही दूसरा नाम है। प्रकृति को ही देखिए। सारे जड़-चेतन अपने कार्य मे लगे रहते हैं। चींटी को भी पल-भर चैन नहीं। मधुमक्खी जाने कितनी लंबी यात्रा कर बूँद-बूँद मधु जुटाती है। मुरगे को सुबह बाँग लगानी ही है। फिर मनुष्य को बुद्धि मिली है, विवेक मिला है। वह निठल्ला बैठे तो सफलता की कामना करना व्यर्थ है। विश्व में जो देश आगे बढ़े हैं, उनकी सफलता का रहस्य कठिन परिश्रम ही है। जापान को दूसरे विश्व युद्ध में मिट्टी में मिला दिया गया था। उसकी अर्थव्यवस्था छिन्न-भिन्न हो गई थी। दिन-रात जी-तोड़ श्रम करके वह पुनः विश्व का प्रमुख औद्योगिक देश बन गया। चीन को शोषण से मुक्ति भारत से देर में मिली, वह भी श्रम के बल पर आज भारत से आगे निकल गया है। जर्मनी ने भी युद्ध की विभीषिकाएँ झेलीं, पर श्रम के बल पर सँभल गया। परिश्रम का महत्त्व वे जानते हैं जो स्वयं अपने बल पर आगे बढ़े हैं। संसार के अनेक महापुरुष परिश्रम के प्रमाण हैं। कालिदास, तुलसी, टैगोर और गोर्की परिश्रम से ही अमर हुए। संसार के इतिहास में अनेक चमकते सितारे केवल परिश्रम के ही प्रमाण हैं। बड़े-बड़े धन-कुबेर निरंतर श्रम से ही असीम संपत्ति के स्वामी बने हैं। फोर्ड साधारण मैकेनिक था। धीरू भाई अंबानी शिक्षक थे। लगन और दृढ़-संकल्प परिश्रम को सार्थक बना देते हैं। गरीबी के साथ परिश्रम जुड़ जाए तो सफलता मिलती है और अमीरी के साथ श्रमहीनता या निठल्लापन आ जाय तो असफलता मुँह बाए खड़ी रहती है। भारतीय कृषक के परिश्रम का ही फल है कि देश मे हरित क्रांति हुई। अमेरिका के सड़े गेहूँ से पेट	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	भरने वाला देश आज गेहूँ का निर्यात कर रहा है। कल-कारखाने रात-दिन उत्पादन कर रहे हैं। हमारे वस्त्र दुनिया के बाजारों में बिकते हैं। उन्नत औद्योगिक देश भी हमसे वैज्ञानिक उपकरण खरीद रहे हैं। किसी क्षेत्र में हम पिछड़े हैं तो उसका कारण है, वहाँ परिश्रम का अभाव। विद्यार्थी जीवन तो परिश्रम की पहली पाठशाला है। यहाँ से परिश्रम की आदत पड़ जाए तो ठीक, अन्यथा जाने कहाँ-कहाँ की ठोकरें खानी पड़ें। एडीसन से किसी ने कहा - आपकी सफलता का कारण आपकी प्रतिभा है। एडीसन ने चटपट सुधारा - प्रतिभा के माने एक औंस बुद्धि और एक टन परिश्रम।	
	(क) भाग्यवादी और परिश्रमी व्यक्ति में क्या अन्तर है?	2
	(ख) परिश्रम के सन्दर्भ में प्रकृति से कौन-कौन से उदाहरण प्रस्तुत किए गए हैं?	2
	(ग) परिश्रम के बल पर कौन-कौन से देश किस प्रकार आगे बढ़ गए हैं?	2
	(घ) भारत किस प्रकार उन्नति कर रहा है?	2
	(ङ) परिश्रम द्वारा विद्यार्थी किस प्रकार सफलता प्राप्त कर सकता है?	2
	(च) उपर्युक्त गद्यांश में से दो परिमाणवाचक विशेषण छाँटकर लिखिए।	1
	(छ) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।	1
2.	**निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-**	**8**
	संकटों से वीर घबराते नहीं आपदाएँ देख छिप जाते नहीं। लग गए जिस काम में, पूरा किया, काम करके व्यर्थ पछताते नहीं। हो सरल अथवा कठिन हो रास्ता कर्मवीरों को न इससे वास्ता। बढ़ चले तो अंत तक ही बढ़ चले कठिनतर गिरिश्रृंग ऊपर चढ़ चले। कठिन पंथ को देख मुस्काते सदा संकटों के बीच वे गाते सदा। है असंभव कुछ नहीं उनके लिए, सरल संभव कर दिखाते वे सदा।	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	यह असंभव कायरों का शब्द है कहाथा नेपोलियन ने एक दिन। सच बताऊँ, जिन्दगी ही व्यर्थ है दर्प बिन, उत्साह बिन और शक्ति बिन	
	(I) कविता में वीरों की जिन विशेषताओं पर बल दिया गया, उनमें दो प्रमुख विशेषताएँ क्या-क्या हैं?	2
	(II) कर्मवीरों को किस बात से कोई लेना-देना नहीं होता क्यों?	2
	(III) किन विशेषताओं के बिना जीवन व्यर्थ है और क्यों?	2
	(IV) उपर्युक्त काव्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए।	1
	(V) 'गिरिश्रृंग शब्द का आशय स्पष्ट कीजिए।	1
	अथवा	
	हैं जनम लेते जगह में एक ही, एक ही पौधा उन्हें है पालता। रात में उनपर चमकता चाँद भी, एक ही सी चाँदनी है डालता। छेद कर काँटा किसी की उँगलियाँ, फाड़ देता है किसी का वर वसन। प्यार डूबी तितलियों के पर कतर, भौंर का है बेध देता श्याम तन। फूल लेकर तितलियों को गोद में, भौंर को अपना अनूठा रस पिला। निज सुगंधों का निराले ढंग से, है सदा देता कली जी की खिला। है खटकता एक सबकी आँख में, दूसरा है सोहता सुर-सीस पर। किस तरह कुल की बड़ाई काम दे, जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	(I) प्रकृति सभी के साथ एक समान व्यवहार करती है, कैसे?	2
	(II) काँटे और फूल के माध्यम से कवि ने क्या संदेश दिया है?	2
	(III) उपर्युक्त पंक्तियों में कुल-गोत्र अथवा अपने चरित्र और स्वभांव में कवि ने किसे अधिक महत्व दिया है एवं किस प्रकार?	2
	(IV) उपर्युक्त काव्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए।	1
	(V) 'बड़प्पन' शब्द का आशय स्पष्ट कीजिए।	1
	खण्ड ख	
3	किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को अपने शहर की बसों की बिगड़ती हालत और कुव्यवस्था पर पत्र लिखिए।	5
	अथवा	
	प्रधानाचार्य को छात्रवृत्ति के लिए आवेदन पत्र लिखिए।	
4	दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में एक सुगठित अनुच्छेद लिखिए:	5
	(क) राष्ट्र मंडल खेलों के संदर्भ में हमारी तैयारी	
	(i) खेलों के आयोजन : एक स्वस्थ परम्परा	
	(ii) अपेक्षित सुविधाएँ तथा समस्याएँ - कुछ उदाहरण)	
	(ख) विज्ञान के बढ़ते चरण	
	(i) विज्ञान के बढ़ते चरण : एक शुभ संकेत	
	(ii) बढ़ती वैज्ञानिक प्रगति एक चुनौती	
	(ii) संतुलन आवश्यक	
	(ग) बढ़ती जनसंख्या का भयावह रूप	
	(i) जनसंख्या वृद्धि एक भयावह समस्या	
	(ii) परिणाम	
	(iii) कारण और समाधान	
	खण्ड 'ग'	
5	(i) शब्द और पद में अंतर उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।	2
	(ii) नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए : (1+1)	2

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	(क) दुकानों से **ऊँघते हुए चेहरे** बाहर झाँके। (ख) **लाल बालों वाला** एक सिपाही चला आ रहा था।	
6	निर्देशानुसार उत्तर लिखिए : (1x4) (क) नेहा ने कहा कि वह और अधिक परिश्रम करेगी। (वाक्य प्रकार लिखिए) (ख) न ही वह मुझे पहचानता है, न ही मैं उसे पहचानता हूँ। (वाक्य प्रकार लिखिए) (ग) लोग टोलियाँ बनाकर मैदान में घूमने लगे। (संयुक्त वाक्य में बदलिए) (घ) जीवन में पहली बार मैं इस तरह विचलित हुआ हूँ। (मिश्र वाक्य में बदलिए)	4
7	निर्देशानुसार उत्तर लिखिए : (½x8) (क) परम + औषध (संधि कीजिए) (ख) विद्यार्थी (संधिच्छेद कीजिए) (ग) नीलकंठ (विग्रह कर समास का नाम लिखिए) (घ) बालिका प्रतिदिन विद्यालय जाती है (रेखांकित पद के समास का प्रकार बताइए) (ङ) दुर्घटना (उपसर्ग बताइए) (च) 'अति' (उपसर्ग से एक शब्द बनाइए) (छ) छटपटाहट (प्रत्यय बताइए) (ज) 'वान' (प्रत्यय से एक शब्द बनाइए)	4
8	(i) दिए गए मुहावरों अथवा लोकोक्तियों में से किन्हीं दो को इस प्रकार वाक्यों में प्रयोग करें कि अर्थ स्पष्ट हो जाए : (1+1) (क) घी की दीए जलाना (ख) एक और एक ग्यारह होना (ग) हाथ कंगन को आरसी क्या (घ) बाट जोहना	2
	(ii) रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त मुहावरे/लोकोक्ति द्वारा कीजिए : (1+1) (क) रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों के .....। (ख) बालक सिद्धार्थ बचपन से ही विलक्षण प्रतिभा के धनी और चिन्तनशील थे।	2

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	उन्हें देखकर ही कहा जा सकता था .....।	
9	(i) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : (2) घोड़ा, पुत्र, गंगा, आँख	
	(ii) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के विलोम शब्द लिखिए : (½x2) अनुकूल, बाह्य, तीव्र, स्वार्थ	1
	(iii) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द से दो अलग-अलग अर्थ देने वाले वाक्य बनाइए: ग्रहण, गुरु	1
	खण्ड घ	
10	निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:	
	(i) हरि आप हरो जन री भीर। द्रोपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर। भगत कारण रूप नरहरि, धर्‌यो आप सरीर। बूढ़तो गजराज राख्यो, काटी कुण्जर पीर। दासी मीराँ लाल गिरधर, हरो म्हारी भीर।।	
	(क) कवि और कविता का नाम लिखिए।	1
	(ख) 'चीर' एवं 'कुण्जर' शब्द का अर्थ लिखिए।	1
	(ग) श्री कृष्ण ने द्रोपदी की सहायता किसी प्रकार की?	2
	(घ) कवयित्री ने अपनी पीड़ा हरने की विनती ईश्वर से किस प्रकार की है?	2
	अथवा	
	(ii) अनंत अंतरिक्ष में अनंत देव हैं खड़े, समक्ष ही स्वबाहु जो बढ़ा रहे बड़े-बड़े। परस्परावंलंब से उठो तथा बढ़ो सभी, अभी अमर्त्य-अंक में अपंक हो चढ़ो सभी। रहो न यों कि एक से न काम और का सरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।	
	(क) कवि और कविता का नाम लिखिए।	1
	(ख) 'स्वबाहु' तथा 'परस्परावलंब' का अर्थ लिखो।	1

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	(ग) 'अभी अमर्त्य - अंक में अपंक हो चढ़ो सभी पंक्ति का अर्थ स्पष्ट करें।	2
	(घ) पद्यांश में कवि ने क्या आह्वान किया है?	2
11	निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (3x3)	9
	(क) 'ईश्वर कण-कण में व्याप्त है, पर हम उसे देख नहीं पाते।' साखी के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।	
	(ख) बिहारी कवि ने सभी की उपस्थिति में भी कैसे बात की जा सकती है, इसका वर्णन किस प्रकार किया है? अपने शब्दों में लिखिए।	
	(ग) पावस ऋतु में प्रकृति में कौन-कौन से परिवर्तन आते हैं? कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।	
	(घ) 'मृदुल मोम-सा घुल रे मृदु तन!' - भाव स्पष्ट कीजिए।	
12	(क) कंपनी बाग में रखी तोप क्या संदेश देती है?	
	अथवा	
	'कर चले हम फिदा' कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।	3
	(ख) 'आत्मत्राण' शीर्षक की सार्थकता कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।	2
13	निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए	
	(i) चंद लोग कहते हैं, गांधीजी 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट' थे। व्यावहारिकता को पहचानते थे। उसकी कीमत जानते थे। इसीलिए वे अपने विलक्षण आदर्श चला सके। वरना हवा में ही उड़ते रहते। देश उनके पीछे न जाता। हाँ, पर गाँधीजी कभी आदर्शों को व्यावहारिकता के स्तर पर उतरने नहीं देते थे। बल्कि व्यावहारिकता को आदर्शों के स्तर पर चढ़ाते थे। वे सोने में ताँबा नहीं बल्कि ताँबे में सोना मिलाकर उसकी कीमत बढ़ाते थे। इसलिए सोना ही हमेशा आगे आता रहता था।	
	(क) प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट किसे कहते हैं?	2
	(ख) गाँधी जी आदर्श एवं व्यावहारिकता का समन्वय किस प्रकार करते थे?	2
	(ग) शुद्ध आदर्श की तुलना सोने से और व्यावहारिकता की तुलना ताँबे से क्यों की गई है?	2
	अथवा	
	(ii) क्रोध में उसने तलवार निकाली और कुछ विचार करता रहा। क्रोध लगातार अग्नि की तरह बढ़ रहा था। लोग सहम उठे। एक सन्नाटा-सा खिंच गया। जब कोई राह न सूझी तो क्रोध का शमन करने के लिए उसमें शक्ति भर उसे धरती में घोंप दिया और ताकत से उसे खींचने	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	लगा। वह पसीने से नहा उठा। सब घबराए हुए थे। वह तलवार को अपनी तरफ खींचते-खींचते दूर तक पहुँच गया। वह हाँफ रहा था। अचानक जहाँ तक लकीर खिंच गई थी, वहाँ एक दरार होने लगी। मानो धरती दो टुकड़ों में बँटने लगी हो। एक गड़गड़ाहट-सी गूँजने लगी और लकीर की सीध में धरती फटती ही जा रही थी। द्वीप के अंतिम सिरे तक तताँरा धरती को मानो क्रोध में काटता जा रहा था। सभी भयाकुल हो उठे। लोगों ने ऐसे दृश्य की कल्पना न की थी, वे सिहर उठे।	
	(क) तताँरा के क्रोध का क्या कारण था?	2
	(ख) क्रोध में तताँरा ने क्या किया?	2
	(ग) लोग भयभीत क्यों थे?	2
14	निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (3x3)	9
	(क) बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ कैसे आती है?	
	(ख) सुभाष बाबू ने जुलूस में स्त्री समाज की क्या भूमिका थी?	
	(ग) वामीरो से मिलने के बाढ तताँरा के जीवन में क्या परिवर्तन आया और क्यों?	
	(घ) शैलेंद्र के निजी जीवन की छाप उनकी फिल्म में झलकती है - कैसे? स्पष्ट कीजिए।	
15	(क) 'गिरगिट' कहानी के माध्यम से समाज की किन विसंगतियों पर व्यंग्य किया गया है? क्या आप ऐसी विसंगतियाँ अपने समाज में भी देखते हैं? स्पष्ट कीजिए।	3
	(ख) वज़ीर अली जाँबाज सिपाही था, कैसे? स्पष्ट कीजिए।	2
	पूरक-पुस्तक	
16	निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए :	4
	(क) समाज में रिश्तों की क्या अहमियत है? इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए।	
	(ख) टोपी और इफ़्फ़न की दादी अलग-अलग मजहब और जाति के थे पर एक अनजान अटूट रिश्ते से बँधे थे। इस कथन के आलोक में अपने विचार लिखिए।	
17	किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2+2+2)	6
	(क) हरिहर काका को महंत और अपने भाई एक ही श्रेणी के क्यों लगने लगे?	
	(ख) पीटी साहब की 'शाबाश' फौज के तमगों-सी क्यों लगती थी?	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	(ग) लेखक के अनुसार उन्हें स्कूल खुशी से भागे जाने की जगह न लगने पर भी कब और क्यों उन्हें स्कूल जाना अच्छा लगने लगा? (घ) 'अम्मी' शब्द पर टोपी के घरवालों की क्या प्रतिक्रिया हुई?	

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र-I की अंक योजना और उत्तर संकेत

कक्षा X

हिन्दी (पाठ्यक्रम ब)

अधिकतम अंक - 100

आवश्यक निर्देश:

(1) परीक्षक प्रश्न के पूरे उत्तर को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

(2) अंक योजना के अनुसार प्रश्न के समस्त उत्तर-बिंदुओं को देखें और अंक-योजना में वितरित किए गए अंकों के आधार पर ही परीक्षार्थी को अंक दें।

(3) उत्तर के आरम्भ की कुछ अस्पष्ट अथवा गलत पंक्तियों को पढ़कर ही पूरा उत्तर बिना पढ़े अनायास न काट दें। उत्तर सहानुभूतिपूर्वक पढ़ा जाए।

(4) यदि उत्तर परीक्षार्थी के स्तरानुसार पूरी तरह ठीक है तो उसे शत-प्रतिशत अंक दिए जाएँ।

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	खण्ड - क (अपठित गद्यांश)	
1.	(क) भाग्यवादी अवसर का उपयोग नहीं करता। परिश्रमी भाग्य पर निर्भर न रहकर पुरुषार्थ द्वारा सफलता प्राप्त कर लेता है।	2
	(ख) जड़-चेतन सभी कार्यरत हैं। चींटी, मधुमक्खी, मुर्गे आदि के कार्य।	2
	(ग) जापान, चीन तथा जर्मनी आदि की प्रगति।	2
	(घ) भारत में हरित क्रांति, औद्योगिक एवं वैज्ञानिक प्रगति। भारतीय महापुरुषों तथा परिश्रमी व्यक्तियों जैसे कालिदास, तुलसी, टैगौर एवं धीरू भाई अंबानी आदि के उदाहरण।	2
	(ङ) आरम्भिक स्तर से ही परिश्रम की आदत होने से अभ्यास, अनुशासन द्वारा सफलता प्राप्त होती है। आलस्य समाप्ति प्रगति की ओर उन्मुख करती है।	2
	(च) एक औंस, एक टन	1
	(छ) परिश्रम का महत्व (इससे सम्बन्धित कोई भी)	1
2	(i) कविता में वीर की दो विशेषताएँ :	
	(क) कठिन स्थिति में भी निर्भय बने रहना	
	(ख) किसी भी काम को असंभव न मानना	2
	(ii) मार्ग सरल है या कठिन, कर्मवीरों का इनसे कोई लेना देना नहीं होता।	2
	(iii) जिस व्यक्ति के जीवन में स्वाभिमान, उत्साह और शक्ति नहीं है उसका जीवन व्यर्थ है।	2

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	(iv) कर्मवीर	1
	(v) उच्चतम पर्वत श्रेणी।	1
	अथवा	
	(i) सामान्यतः सभी को प्रकृति द्वारा हवा, धूप, खाद्यान्न, बारिश आदि एक समान प्राप्य है। (इसी सन्दर्भ में उत्तर अपेक्षित)	2
	(ii) काँटे के माध्यम से दुर्जन एवं फूल के माध्यम से सज्जन व्यक्ति के स्वभाव एवं व्यवहार का संदेश कवि ने दिया है।	2
	(iii) कवि ने कुल-गोत्र एवं अपने चरित्र और स्वभाव में स्वचरित्र और स्वभाव को अधिक महत्व दिया है। इसके लिए कवि ने काँटे और फूल के माध्यम से स्पष्ट किया है।	2
	(iv) 'फूल और काँटे'	1
	(v) महानता, श्रेष्ठता	1
	खण्ड - ख **(रचना-पत्र एवं अनुच्छेद-लेखन)**	
(3)	(i) पत्र लेखन - औपचारिकताएँ (ऊपर नीचे लिखी जाने वाली औपचारिकताएँ)	1
	(ii) विषय-वस्तु	3
	(iii) भाषा-शुद्धता	1
(4)	अनुच्छेद लेखन (दिए गए संकेत बिन्दुओं को विस्तार देते हुए) किसी एक विषय पर	
	(i) विषय प्रतिपादन	2
	(ii) अभिव्यक्ति	2
	(iii) भाषिक शुद्धता	1
	खण्ड - ग **(व्यावहारिक-व्याकरण)**	
5.	(i) एक या अधिक वर्णों से बनी सार्थक इकाई शब्द कहलाती है जबकि व्याकरण के नियमों से युक्त शब्द के वाक्य में प्रयोग होने वाले विभिन्न रूप पद कहलाते हैं। (उदाहरण सहित स्पष्टीकरण अपेक्षित है।)	2
	(ii) (क) संज्ञा पदबंध	1
	(ख) विशेषण पदबंध	1

प्र.सं.	प्रश्न		अंक
6.	(क) मिश्रित वाक्य		1
	(ख) संयुक्त वाक्य		1
	(ग) लोगों ने टोलियाँ बनाई और मैदान में घूमने लगे		1
	(घ) यह जीवन में पहली बार है कि मैं इस तरह विचलित हुआ हूँ		1
7.	(क) परमौषध	(½x8)	4
	(ख) विद्या+अर्थी		
	(ग) नीला है कंठ जिसका अर्थात् शिव–बहुब्रीहि **या** नीला है जो कंठ – कर्मधारय समास		
	(घ) अव्ययीभाव समास		
	(ङ) दुर्		
	(च) अतिरिक्त (अन्य कोई भी उचित शब्द)		
	(छ) आहट		
	(ज) बलवान (अन्य कोई भी उचित शब्द)		
8.	(i) अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्य प्रयोग पर पूर्ण अंक दें।	(1+1)	2
	(ii) (क) छक्के–छुड़ा दिए		1
	(ख) होनहार बिरवान् के होत चिकने पात		1
9.	(i) किन्हीं दो के दो–दो पर्यायवाची (क) अश्व, तुरंग (ख) बेटा, आत्मज (ग) मंदाकिनी, जाह्नवी (घ) नेत्र, चक्षु	(1+1)	2
	(ii) (क) प्रतिकूल (ख) आन्तरिक (ग) मन्द (घ) परमार्थ (किन्हीं दो के विलोम)		
	(iii) अर्थ स्पष्ट करने वाले उचित वाक्य प्रयोग पर पूर्ण अंक दिए जाएँ।	(1)	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	खण्ड - घ **(पाठ्य-पुस्तकें)**	
10.	(i) (क) मीरा बाई, पद।	1
	(ख) चीर-वस्त्र (½+½)	1
	कुण्जर - हाथी	
	(ग) दुर्योधन द्वारा द्रौपदी का चीर हरण कराने पर श्री कृष्ण ने चीर को बढ़ाते-बढ़ाते इतना बढ़ा दिया कि दु:शासन का हाथ थक गया।	2
	(घ) जिस प्रकार श्रीकृष्ण ने द्रौपदी के शील की रक्षा की तथा कुंजर (ऐरावत) का कष्ट दूर करने के लिए मगरमच्छ को मारा इसी प्रकार वे मीरा की समस्त पीड़ाओं को दूर करें।	2
	अथवा	
	(ii) (क) कवि - मैथिलीशरण गुप्त	½
	कविता - मनुष्यता	½
	(ख) स्वबाहु - अपनी बाहें (सहायता का प्रस्ताव) (½+½)	1
	परस्परावलंब - एक दूसरे का सहारा	
	(ग) कवि कहता है कि सभी मनुष्य अच्छे कर्म करें, जिससे वे कलंक रहित होकर देवताओं की शरण प्राप्त कर सकें।	2
	(घ) कवि एक दूसरे का सहारा बनकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। वह दुर्गुणों को त्यागकर मनुष्यता का आह्वान करता है।	2
	किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	
11.	(क) कवि उदाहरण देते हुए स्पष्ट करता है कि जिस प्रकार मृग की कुंडली से ही कस्तूरी की सुगंध आती रहती है और वह अनजान उसे सारे संसार में ढूँढ़ता रहता है, उसी प्रकार ईश्वर जीवन के अंत:करण में, संसार के कण-कण में व्याप्त है, परन्तु अज्ञानतावश हम उसे देख नहीं पाते।	3
	(ख) कवि लज्जाशील नायिका की नायक से भरे हुए सदन में नेत्रों द्वारा बातचीत का चातुर्यपूर्ण वर्णन करता है। दोहे के आधार पर वर्णन के अंक दिए जाएँ।	3
	(ग) आकाश, निर्झर, ताल, वृक्ष, पर्वत आदि में होनेवाले परिवर्तनों का वर्णन।	3
	(घ) प्रियतम के पथ को आलोकित करने हेतु अपने शरीर को मोम की तरह गलाकर भी विचलित मत हो। अपना सर्वस्व प्रियतम के लिए समर्पित कर दो। कवयित्री अपने आपको अनंत प्रकाश पुंज में विलीन कर देना चाहती है।	3

प्र.सं.		प्रश्न	अंक
12.	(क)	तोप यह संदेश देती है कि हमें अपने देश की स्वतंत्रता के प्रति सजग रहना चाहिए अन्यथा 'ईस्ट इंडिया कम्पनी' जैसी कंपनी हमें गुलामी की ओर धकेल सकती है। उस समय यह तोप हमारे संहार का कारण बन जाएगी। साथ ही तोप इंगित करती है कि कोई कितना ही शक्तिशाली क्यों न हो, समय आने पर वह भी शक्तिहीन हो जाता है।	3
		अथवा	
		कविता भारतीयों में देश-प्रेम एवं बलिदान का भाव जागृत करती है। सैनिक भीषण परिस्थितियों में भी अपने देश का मस्तक झुकने नहीं देते। वे देश की रक्षा करने के लिए अपने जीवन का बलिदान कर देते हैं। उन्हें अपने बलिदान पर नाज़ है साथ ही वह देशवासियों से अपेक्षा रखते हैं कि वह भी अपने कर्तव्यों का निर्वाह पूरी निष्ठा से करें। देशवासी बलिदान देने वालों का सम्मान करें तथा शत्रुओं का मुँह तोड़ जवाब दें।	3
	(ख)	आत्मत्राण का अर्थ है कि अपनी सहायता। कवि ईश्वर से भी सहायता की याचना नहीं करता अपितु वह चाहता है कि उसमें संघर्ष करने की शक्ति बनी रहे। उसका विश्वास व पराक्रम डगमगाए नहीं। कवि प्रत्येक विपत्ति में स्वयं जूझना चाहता है, अत: आत्मत्राण शीर्षक सार्थक है।	2
13.	(i)	(क) प्रैक्टिकल आइडियालॉजिस्ट उसे कहते हैं जो आदर्शों में थोड़ी व्यावहारिकता का समावेश कर देते हैं। ऐसे लोग आदर्शों की आड़ में अपना स्वार्थ सिद्ध करते हैं।	2
		(ख) गाँधीजी आदर्शवादी के साथ-साथ व्यावहारिक भी थे। वे व्यावहारिकता में अपने आदर्शों को समाविष्ट करके व्यावहारिकता को भी आदर्श की श्रेणी में ला देते थे। वे ताँबे को भी सोना बनाने की क्षमता रखते थे।	2
		(ग) शुद्ध सोने में किसी प्रकार की मिलावट नहीं होती उसी प्रकार शुद्ध आदर्शों में भी किसी प्रकार की मिलावट नहीं की जा सकती। ताँबा सोने को मजबूत बना देता है परन्तु उसकी शुद्धता समाप्त हो जाती है। इसी प्रकार व्यावहारिकता में शुद्ध आदर्श समाप्त हो जाते हैं।	2
		अथवा	
	(ii)	(क) वामीरो का भाव-विह्वल होकर रोना, गाँववालों की उपस्थिति में वामीरो की माँ द्वारा तताँरा का अपमान तथा तताँरा की विवशता उसके क्रोध का कारण बना।	2
		(ख) तताँरा ने अपनी लकड़ी की तलवार को धरती में घोप दिया। वह तलवार को अपनी ओर खींचते हुए दूर तक पहुँच गया।	2
		(ग) तताँरा का क्रोध गाँववालों के भय का कारण था। तताँरा की खिंची लकीर से धरती में दरार होने लगी थी। धरती दो भागों में बँट गयी।	2

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित : **(3x3)**	**9**
14.	(क) बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ किताबी ज्ञान से नहीं अनुभव से आती है। उदाहरणतः ऑक्सफोर्ड से एम.ए. करने वाला व्यक्ति अपने घर को उतनी कुशलता से नहीं चला पया जितनी कुशलता से उसकी अनपढ़ माँ ने घर चलाया। इसी प्रकार घर के बड़े व्यक्ति अपने अनुभव के आधार पर ही समस्याओं का समाधान करने में सक्षम होते हैं। (3)	
	(ख) जुलूस में स्त्रियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया था। गुजरात सेविका संघ की ओर से निकाले गए जुलूस में अनेक लड़कियों को गिरफ्तार किया गया। सुभाष बाबू के गिरफ्तार होने के बाद स्त्रियों का जुलूस आगे बढ़ा। जुलूस के टूटने पर भी 50-60 स्त्रियाँ धर्मतल्ले के मोड़ पर बैठ गई, जिन्हें गिरफ्तार किया गया। 105 स्त्रियों को जेल में बंद किया गया जो अब तक की सबसे बड़ी संख्या थी। (3)	
	(ग) वामीरों के प्रति अतिशय प्रेम के कारण तताँरा के शांत एवं गंभीर जीवन में हलचल मच गयी। वह वामीरों के इंतज़र में व्याकुल रहने लगा। उसका मन किसी काम में नहीं लगता था। उसने गाँव के उत्सव में भी भाग नहीं लिया। (3)	
	(घ) शैलेंद्र धन-लिप्सा से दूर, भावुक एवं आदर्शवादी व्यक्ति थे। उनकी फिल्म 'तीसरी कसम' का नायक भी इन्हीं गुणों से युक्त है। आत्म-तुष्टि को अधिक महत्व देते थे अतः मूल कहानी से कोई बदलाव नहीं करते थे, चाहे उन्हें आर्थिक नुकसान ही क्यों न उठाना पड़े। (3)	
15.	(क) कई व्यक्ति अपने स्वार्थ के लिए परिस्थितियों के अनुसार अपनी बात, व्यवहार, दृष्टिकोण, विचार को बदल लेते हैं। गिरगिट की भाँति रंग बदलने वाले इन्हीं व्यक्तियों पर व्यंग्य किया गया है। लोग अपनी स्वार्थ-सिद्धि के लिए आम आदमी के हितों की उपेक्षा कर पदासीन व्यक्ति की चापलूसी करते हैं। समाज के अपने अनुभवों की व्याख्या करने के आधार पर अंक दिए जाएं।	3
	(ख) वजीर अली का अपने शत्रु के खेमे में पहुँचकर उसे दो-दो हाथ करने की चुनौती देना एवं वकील की अपमानजनक बातों पर उसकी हत्या कर देना तथा देश की स्वतंत्रता के लिए अपनी जान न्यौछावर करने से भी नहीं डरना उसकी जाँबाजी का परिचायक है।	2
	किसी एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित :	
16.	(क) रिश्ते समाज को रूप प्रदान करते हैं। मनुष्य के सम्पूर्ण व्यक्तित्व-विकास के लिए महत्त्वपूर्ण। भावात्मक संतुलन में सहायक है। अपनामन मिलने से मनुष्य का एकाकीपन दूर होता है। सुरक्षा का एहसास करवाते हैं। (तर्क सहित उत्तर 3 + भाषा - 1 = 4 अंक)	4
	(ख) स्नेहमय-भावात्मक संबंध तथा समान भाषा का प्रयोग उन्हें अटूट रिश्ते से बाँधते थे। (उदाहरण सहित विस्तार से यथोचित उत्तर लिखने पर अंक दिए जाएं)	4

किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :

17. (क) महंत एवं हरिहर काका के भाई, दोनों की स्वार्थ-लिप्सा, दोनों द्वारा स्वार्थ-पूर्ति के लिए उनका अपहरण कर, क्रूरतापूर्ण पिटाई उन्हें एक ही श्रेणी का कर देते हैं। 2

(ख) पी.टी. साहब का स्वभाव कठोर था। अनुशासन भंग करने पर छात्रों की पिटाई अधिक करते थे। अत: सभी उनसे डरते थे। इस स्वभाव के विपरित, छात्रों द्वारा त्रुटिरहित परेड करनपेपर पी.टी.साहब के मुख से निकला 'शाबाश' शब्द छात्रों को अभिभूत कर देता था। उन्हें यह शब्द आत्मीयता एवं प्रेम से प्रदान किया पदक अनुभव होता था। 2

(ग) तीसरी-चौथी श्रेणी में झंडियाँ पकड़कर व धुली हुई वर्दी तथा चमकते जूते पहनकर स्काउटिंग परेड करना, गलती न होने पर पी.टी.साहब से शाबाश सुनना विद्यालय जाने के लिए प्रेरित करता था। 2

(घ) 'अम्मी' शब्द के प्रयोग पर घर के सभी सदस्य अचंभित रह गए। आश्चर्यचकित दृष्टि से टोपी को देखने लगे। रामदुलारी एवं सुभद्रादेवी ने इसे घर के संस्कार तथा परम्पराओं का उल्लंघन मानकर टोपी को डाँटा। 2

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-II

कक्षा X

हिन्दी (पाठ्यक्रम - ब)

समयः 3 घंटे **पूर्णांक - 100**

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र के चार खण्ड हैं - 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'।

2. चारों खण्डों के उत्तर देना अनिवार्य है। यथासंभव प्रश्नों के उपभागों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	खण्ड 'क'	
1	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर गद्यांश के आधार पर दीजिए : अनुशासन का अर्थ है अपने को कुछ नियमों से बाँध लेना और उन्हीं के अनुसार कार्य करना। कुछ व्यक्ति अनुशासन की व्याख्या 'शासन का अनुगमन' करने के अर्थ में करते हैं, परन्तु यह अनुशासन का संकुचित अर्थ है। व्यापक रूप में अनुशासन सुव्यवस्थित ढंग से उन आधारभूत नियमों का पालन ही है, जिनके द्वारा किसी अन्य व्यक्ति के मार्ग में बाधक बने बिना व्यक्ति अपना पूर्ण विकास कर सके। अनुशासन में रहने का भी एक आनंद है, लेकिन आज व्यक्तियों में अनुशासनहीनता की भावना बढ़ रही है। समाचार-पत्रों में हमेशा यही पढ़ने को मिलता है कि आज अमुक नगर में दस दुकानें लूटी गई, बसों में आग लगा दी गई, दो गिरोहों में लाठियाँ चल गई आदि। ये बातें आए दिन पढ़ने को मिलती हैं। यदि किसी भी कर्मचारी को कोई गलत काम करने से रोका जाए तो वह अपने साथियों से मिलकर काम बंद करा देगा। बहुत दिनों तक हड़तालें चलती रहेंगी। कारखानों और कार्यालयों में काम बंद हो जाएँगे। अनुशासन के अभाव में समाज में अराजकता और अंशांति का साम्राज्य होता है। वन्य पशुओं में अनुशासन का कोई महत्व नहीं है, इसी कारण उनका जीवन अरक्षित, आतंकित एवं अव्यवस्थित रहता है। सभ्यता और संस्कृति के विकास के साथ-साथ जीवन में अनुशासन का महत्व भी बढ़ता गया। आज के वैज्ञानिक युग में तो अनुशासन के बिना मनुष्य का कार्य भी नहीं हो सकता। कुछ व्यक्ति सोचते हैं कि अब मानव सभ्य और शिक्षित हो गया है, उस पर किसी भी प्रकार के नियमों का बंधन नहीं होना चाहिए। वह स्वतंत्र रूप से जो भी करे उसे करने देना चाहिए। लेकिन यदि व्यक्ति को यह अधिकार दे दिया जाए तो चारों तरफ वन्य जीवन जैसी अव्यवस्था आ जाएगी। मानव, मानव ही है, देवता नहीं। उसमें सुप्रवृत्तियाँ और कुप्रवृत्तियाँ दोनों ही होती हैं। मानव सभ्य तभी तक रहता है जब तक वह अपनी सुप्रवृत्तियों की आज्ञा के अनुसार कार्य करे। इसलिए मानव के पूर्ण विकास के लिए कुछ बंधनों और नियमों का होना आवश्यक है। अनुशासनबद्धता मानव-जीवन के मार्ग में	12

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	बाधक नहीं अपितु उसको पूर्ण उन्नति तक पहुँचाने के लिए अनुकूल अवसर प्रदान करती है। अनुशासन के बिना तो मानव-जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। विद्यार्थी जीवन में तो अनुशासन का बहुत महत्व है। आज अनुशासनहीनता के कारण साल में छह महीने विश्वविद्यालयों में हड़तालें हो जाती हैं। तोड़-फोड़ करना तो विद्यार्थी का कर्तव्य बन गया है। छोटी-छोटी बातों में मारपीट हो जाती है। अत: हर मनुष्य का कर्तव्य है कि अनुशासन का उल्लंघन न करे। यह विचित्र होते हुए भी कितना सत्य है कि अनुशासन एक प्रकार का बंधन है परन्तु मनुष्य को स्वच्छंद रूप से अपने अधिकारों का पूरा सदुपयोग करने का अवसर भी प्रदान करता है। वह एक ओर बंधन है तो दूसरी ओर मुक्ति भी।	
	(क) अनुशासन का वास्तविक अर्थ क्या है?	2
	(ख) अनुशासन के अभाव में क्या होता है?	2
	(ग) मानव विकास के लिए अनुशासन क्यों आवश्यक है?	2
	(घ) वन्य जीव असुरक्षित क्यों होते हैं? इसका क्या परिणाम होता है?	2
	(ङ) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्व क्यों है?	2
	(च) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।	1
	(छ) 'अनुशासन' का विलोम शब्द लिखिए।	1
2	निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :	8
	ज्यों निकलकर बादलों की गोद से, थी अभी इक बूँद कुछ आगे बढ़ी। सोचने फिर-फिर यही जी में लगी, आह, क्यों घर छोड़कर मैं यों कढ़ी। देव, मेरे भाग्य में है क्या बदा, मैं बचूँगी या मिलूँगी धूल में। जल उठूँगी गिर अँगारे पर किसी, चू पड़ूँगी या कमल के फूल में। बह उठी उस काल इक ऐसी हवा, वह समंदर ओर आई अनमनी। एक सुंदर सीप का था मुँह खुला, वह उसी में जा गिरी, मोती बनी।	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	लोग अकसर हैं झिझकते-सोचते, जबकि उनको छोड़ना पड़ता है घर। किन्तु घर का छोड़ना अकसर उन्हें, बूँद लौं कुछ और ही देता है कर।	
	(i) बूँद द्वारा कहा गया 'आह' शब्द किसी भाव को व्यक्त करता है और क्यों?	2
	(ii) बूँद की चिन्ता का विषय क्या है?	2
	(iii) कविता में बूँद के साथ किन लोगों की समानता दिखाई गई है?	2
	(iv) उपर्युक्त काव्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए।	1
	(v) 'वह समंदर ओर आई अनमनी' का आशय स्पष्ट कीजिए।	1
	अथवा	
	विषुवत रेखा का वासी जो, जीता है नित हाँफ-हाँफ कर। रखता है अनुराग अलौकिक वह भी अपनी मातृभूमि पर। ध्रुववासी जो हिम में, तम में जी लेता है काँप-काँप कर। वह भी अपनी मातृभमि पर कर देता है प्राण-निछावर। तुम तो हे प्रिय बंधु! स्वर्ग-सी, सुखद, सकल विभवों की आकर। धरा शिरोमणि मातृभूमि में, धन्य हुए हो जीवन पाकर।	
	(i) भारतवासी का जीवन धन्य क्यों है?	2
	(ii) ध्रुवीय क्षेत्र में रहने वालों के जीवन में क्या-क्या कठिनाइयाँ हैं?	2
	(iii) विषुवत रेखा का वासी हाँफ-हाँफ कर क्यों जीता है?	2
	(iv) उपर्युक्त काव्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए।	1
	(v) 'धरा-शिरोमणि मातृभूमि' का आशय स्पष्ट कीजिए।	1

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	खण्ड - ख	
3	बैंक की चैकबुक खो जाने के सूचनार्थ बैंक-प्रबंधक को पत्र लिखिए।	5
	अथवा	
	अपने क्षेत्र में बिजली-आपूर्ति की समस्या के संदर्भ में संबंधित अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।	
4	निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए :	5
	(क) दिल्ली की बदलती तस्वीर : (भूमिका, क्षेत्र एवं आबादी, बुनियादी सुविधाओं का विस्तार, शहरी सौन्दर्यीकरण)	
	(ख) विद्यार्थियों पर दूरर्शन का प्रभाव : (प्रस्तावना, मनोरंजन के साधन के रूप में, शिक्षा के माध्यम के रूप में, निष्कर्ष)	
	(ग) प्रदूषण की समस्या : (भूमिका, विकट समस्या, कारण, निवारण)	
	खण्ड - ग	
5	(i) पद और पदबंध का अंतर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।	2
	(ii) नीचे दिए गए वाक्यों के रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए: (1+1)	2
	(क) एक कुत्ता <u>तीन टाँगों के बल रेंगता</u> चला आ रहा है।	
	(ख) यह सुरजीत हमेशा कोई-न-कोई <u>शरारत करता रहता</u> है।	
6	निर्देशानुार उत्तर लिखिए: (1+1+1+1)	4
	(क) वह बाज़ार गया, क्योंकि उसे पुस्तकें खरीदनी थीं। (वाक्य-प्रकार बताइए।)	
	(ख) प्रातः सूर्य उदय हुआ और पक्षी चहचहाने लगे। (वाक्य-प्रकार स्पष्ट कीजिए)	
	(ग) तताँरा को देखकर वह फूट-फूटकर रोने लगी। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)	
	(घ) परिश्रमी व्यक्ति के लिए कुछ भी असंभव नहीं है। (मिश्र वाक्य में बदलिए)	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
7.	निर्देशानुसार उत्तर लिखिए:- (½x8) (क) अति+अधिक (संधि करें) (ख) गणेश (संधिच्देछ करें) (ग) दशानन (विग्रह कर समास का नाम लिखिए) (घ) विष्णु जैसा पराक्रमी <u>त्रिभुवन</u> में कोई नहीं। (रेखांकित पद के समास का प्रकार बताएँ) (ङ) 'मदहोश' (उपसर्ग और मूल शब्द अलग करें) (च) 'प्र' (उपसर्ग से एक शब्द बनाएँ) (छ) 'ओढ़नी' (मूल शब्द और प्रत्यय अलग करें) (ज) 'आऊ' (प्रत्यय से एक शब्द बनाएँ)	4
8.	(i) दिए गए मुहावरों अथवा लोकोक्तियों में से किन्दी दो को इस प्रकार वाक्यों में प्रयोग करें कि अर्थ स्पष्ट हो जाए: (1+1) (क) आगे कुँआ पीछे खाई (ख) सुध-बुध खोना (ग) अंधे के हाथ बटेर लगना (घ) आग-बबूला होना (ii) रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त मुहावरे/लोकोक्ति द्वारा कीजिए : (क) संजय ने जबसे कपड़े का व्यापार किया है तब से उसकी .....। (ख) कक्षा में प्रथम आने के लिए रमेश ने ..... ।	2
9	(i) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवायी नारी, भाई, पक्षी, नदी	2
	(ii) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के विलोम शब्द लिखिए: (½x2) प्राचीन, सार्थक, पराधीन, अमृत	1
	(iii) निम्ललिखित में से किसी एक शब्द से दो अलग-अलग अर्थ देने वाले वाक्य बनाइए। जड़, अर्थ	1

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	खण्ड - घ	
10	निम्नलिखित काव्याशों में से किसी एक को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :	
	ऐसी बाँणी बोलिये, मन का आपा खोई। अपना तन सीतल करै, औरन कौं सुख होइ।। कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढै बन माँहि। ऐसैं घटि-घटि राँम है, दुनियाँ देखै नाँहि।। जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि है मैं नाँहि। सब अँधियारा मिटि गया, दीपक देख्या माँहि।।	
	(क) कवि एवं कविता का नाम लिखिए।	1
	(ख) मीठी वाणी के क्या लाभ हैं?	1
	(ग) 'घटि घटि राँम है' - के माध्यम से कवि ने क्या कहा है?	2
	(घ) कवि ने किस अंधियारे की बात की है और यह किस प्रकार मिटा?	2
	अथवा	
	विपदाओं से मुझे बचाओ, यह मेरी प्रार्थना नहीं केवल इतना हो (करुणामय) कभी न विपदा में पाँऊ भय। दु:ख-ताप से व्यथित चित्त को न दो सांत्वना नहीं सही पर इतना होवे (करुणामय) दुख को मैं कर सकूँ सदा जय। कोई नहीं सहायक न मिले तो अपना बल पौरुष न हिले, हानि उठानी पड़े जगत् में लाभ अगर वंचना रही तो भी मन में ना मानूँ क्षय।।	
	(क) कवि एवं कविता का नाम लिखिए।	1
	(ख) किस स्थिति में कवि अपनी हानि नहीं मानना चाहता?	1
	(ग) 'विपदाओं से मुझे बचाओ, यह मेरी प्रार्थना नहीं'-पंक्ति द्वारा कवि क्या कहना चाहता है?	2
	(घ) कवि अपना कोई सहायक न मिलने पर क्या प्रार्थना करता है?	2

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
11	निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2x3)	6
	(क) मीरा श्रीकृष्ण को पाने के लिए क्या-क्या कार्य करने को तैयार है?	
	(ख) सच्चे मन में राम बसते हैं - दोहे के संदर्भानुसार आशय स्पष्ट कीजिए।	
	(ग) व्यक्ति को किस प्रकार का जीवन व्यतीत करना चाहिए? 'मनुष्यता' कविता के आधार पर लिखिए।	
	(घ) भाव स्पष्ट कीजिए :	
	गिरिवर के उर से उठ-उठ कर उच्चाकांक्षाओं - से तरुवर हैं झाँक रहे नीरव नभ पर, अनिमेष, अटल, कुछ चिंतापर।	
12	(i) मधुर-मधुर, पुलक-पुलक, सिहर-सिहर और विहँस-विहँस, कवयित्री ने दीपक को हर बार अलग-अलग तरह से जलने को क्यों कहा है? स्पष्ट कीजिए।	3
	(ii) कंपनी बाग में रखी तोप क्या सीख देती है?	2
13	निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:	
	(i) पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था, अब टुकड़ों में बँटकर एक-दूसरे से दूर हो चुका है। पहले बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में सब मिल-जुलकर रहते थे अब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है। बढ़ती हुई आबादियों ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है, पेड़ों को रास्तों से हटाना शुरू कर दिया है, फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है। बारूदों की विनाशलीलाओं ने वातावरण को सताना शुरू कर दिया। अब गरमी में ज्यादा गरमी, बेवक्त की बरसातें, जलजले, सैलाब, तूफान और नित नए रोग, मानव और प्रकृति के इसी असंतुलन के परिणाम हैं।	
	(क) पूरा संसार एक परिवार के समान किस प्रकार था?	2
	(ख) बढ़ती आबादी एवं प्रदूषण का अन्य प्राकृतिक उपादानों पर क्या असर हुआ?	2
	(ग) मानव और प्रकृति के असंतुलन का क्या परिणाम हुआ?	2
	अथवा	
	(ii) मगर टाइम-टेबिल बना लेना एक बात है, उस पर अमल करना दूसरी बात। पहले ही दिन उसकी अवहेलना शुरू हो जाती। मैदान की वह सुखद हरियाली, हवा के हलके-हलके झोंके, फुटबाल की वह उछल-कूद, कबड्डी के वह दाँव-घात, वॉलीबाल की वह तेजी और फुरती, मुझे अज्ञात और अनिवार्य रूप से खींच ले जाती और वहाँ जाते ही मैं सब कुछ भूल जाता। वह जानलेवा टाइम-टेबिल, वह आँखफोड़ पुस्तकें, किसी की याद न रहती और भाई साहब	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	को नसीहत और फजीहत का अवसर मिल जाता। मैं उनके साये से भागता, उनकी आँखों से दूर रहने की चेष्टा करता, कमरे में इस तरह दबे पाँव आता कि उन्हें खबर न हो। उनकी नज़र मेरी ओर उठी और मेरे प्राण निकले। हमेशा सिर पर एक नंगी तलवार-सी लटकती मालूम होती। फिर भी जैसे मौत और विपत्ति के बीच भी आदमी मोह और माया के बंधन में जकड़ा रहता है, मैं फटकार और घुड़कियाँ खाकर भी खेल-कूल का तिरस्कार न कर सकता था।	
	(क) टाइम-टेबिल बना लेने पर भी, उस पर अमल क्यों नहीं हो पाया?	2
	(ख) खेलकर वापिस आने पर छोटे भाई की क्या प्रतिक्रिया होती?	2
	(ग) लेखक स्वयं को किस बंधन में जकड़ा पाता है और क्यों?	2
14	निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (3x3)	9
	(क) लेखक के मित्र ने मानसिक रोग के क्या-क्या कारण बताए हैं? क्या आप इन कारणों से सहमत हैं?	
	(ख) पुलिस कमिश्नर के नोटिस और कौंसिल के नोटिस में क्या अन्तर था?	
	(ग) आशय स्पष्ट कीजिए : ''जो जितना बड़ा होता है उसे उतना ही कम गुस्सा आता है।''	
	(घ) शैलेन्द्र के गीतों की क्या विशेषताएँ हैं? अपने शब्दों में लिखिए।	
15	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :	
	(क) 'गिरगिट' कहानी के शीर्षक की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए।	3
	(ख) लेखक ने ग्वालियर से बंबई तक किन बदलावों को महसूस किया?-पठित पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।	2
	पूरक-पुस्तक	
16	निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए:	4
	(क) यदि आपके आसपास हरिहर काका जैसी हालत में कोई हो तो आप उसकी किस प्रकार मदद करेंगे?	
	(ख) 'सपनों के - से दिन' पाठ में वर्णित घटनाओं के आधार पर पीटी सर की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।	
17	निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2+2+2)	6
	(क) हरिहर काका को जबरन उठा ले जाने वाले कौन थे? उन्होंने उनके साथ कैसा बर्ताव किया?	
	(ख) स्काउट परेड करते समय लेखक अपने को महत्वपूर्ण 'आदमी' फौजी जवान क्यों समझने लगता था?	
	(ग) इफ्फन की दादी अपने पीहर क्यों जाना चाहती थी?	
	(घ) टोपी ने इफ्फन से दादी बदलने की बात क्यों कही?	

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र-II की अंक योजना और उत्तर संकेत

कक्षा X

हिन्दी (पाठ्यक्रम 'ब')

समयः 3 घंटे **पूर्णांक - 100**

आवश्यक निर्देशः

(1) परीक्षक प्रश्न के पूरे उत्तर को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

(2) अंक योजना के अनुसार प्रश्न के समस्त उत्तर-बिंदुओं को देखें और अंक-योजना में वितरित किए गए अंकों के आधार पर ही परीक्षार्थी को अंक दें।

(3) उत्तर के आरम्भ की कुछ अस्पष्ट अथवा गलत पंक्तियों को पढ़कर ही पूरा उत्तर बिना पढ़े अनायास न काट दें। उत्तर सहानुभूतिपूर्वक पढ़ा जाए।

(4) यदि उत्तर परीक्षार्थी के स्तरानुसार पूरी तरह ठीक है तो उसे शत-प्रतिशत अंक दिए जाएँ।

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	खण्ड - क	
1.	(क) उन व्यवस्थित आधारभूत नियमों का पालन करना जिनके द्वारा किसी अन्य व्यक्ति के मार्ग में बाधक बने व्यक्ति अपना पूर्ण विकास कर सके।	2
	(ख) अनुशासन के अभाव में समाज में अराजकता और अशांति का साम्राज्य होता है जिससे उनका जीवन अरक्षित, आंतकित एवं अव्यवस्थित रहता है।	2
	(ग) मानव के पूर्ण विकास के लिए कुछ बंधनों और नियमों का होना आवश्यक है। अनुशासन मानव को पूर्ण उन्नति तक पहुँचाने के लिए अनुकूल अवसर प्रदान करता है।	2
	(घ) वन्य जीवों में अनुशासन का सर्वथा अभाव होता है। इसी कारण उनका जीवन असुरक्षित, आंतकित एवं अव्यवस्थित रहता है। इसका परिणाम 'अराजकता' है जहाँ किसी प्रकार की नियमबद्धता नहीं होती है।	2
	(ङ) क्योंकि अनुशासन में रहकर ही छात्र अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए परिश्रम कर पूर्ण उन्नति अथवा समुचित विकास कर सकते हैं, साथ ही वह समाज एवं देश निर्माण एवं विकास में योगदान कर सकता है।	2
	(च) अनुशासन का महत्व	1
	(छ) स्वच्छंद अथवा अनुशासनहीन	1

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
(2)	(i) बूँद द्वारा कहा गया 'आह' शब्द शोक (अफसोस) भाव को व्यक्त करता है, क्योंकि घर से निकलने के बाद अस्तित्व का संकट हो सकता है।	2
	(ii) बूँद की चिन्ता का विषय है - भविष्य। वह सोच रही है कि वह बचेगी या नहीं। कहीं अस्तित्वहीन होकर विलीन तो न हो जाएगी।	2
	(iii) कविता में बूँद के साथ ऐसे लोगों की समानता दिखाई गई है जो अपना घर छोड़कर किसी कारण वश अन्यत्र जाते हैं। उन्हें भी अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष एवं संकट की चिन्ता होती है।	2
	(iv) 'बूँद' या इससे सन्दर्भित उपयुक्त शीर्षक।	1
	(v) न चाहते हुए भी परिस्थिति जन्य समझौता करना।	1
	अथवा	
	(i) क्योंकि भारत भूमि स्वर्ग-सी, सुखद, सभी प्रकार के धन-वैभव से पूर्ण, प्राकृतिक विविधता के कारण सर्वोत्तम देश है।	2
	(ii) ध्रुवीय क्षेत्र में रहनेवालों के जीवन में अत्यधिक सर्दी एवं अंधकार, हर प्रकार की सुख-सुविधा का अभाव आदि कठिनाइयाँ है।	2
	(iii) क्योंकि वहाँ सूर्य की सीधी किरणें पड़ती हैं जिसके कारण अत्यधिक गर्मी पड़ती है। फलत: गर्मी के कारण विषुवत रेखा के वासी हाँफ-हाँफ कर जीते हैं।	2
	(iv) मातृभूमि / भारत भूमि या इससे सन्दर्भित उपयुक्त शीर्षक -	1
	(v) इसका आशय है भारतवर्ष सर्वश्रेष्ठ है।	1
3	(क) औपचारिकताओं के लिए (ऊपर और नीचे लिखी जाने वाली औपचारिकता)	1
	(ख) विषय सामग्री	3
	(ग) शुद्ध भाषा और प्रस्तुति	1
4	दिए गए संकेत बिन्दुओं को विस्तार देते हुए किसी एक विषय पर	
	(क) विषय प्रतिपादन	2
	(ख) अभिव्यक्ति	2
	(ग) भाषिक शुद्धता	1

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	खण्ड - ग	
5	(i) वाक्य में प्रयुक्त शब्द 'पद' कहलाते हैं जबकि वाक्य में एक से अधिक पद परस्पर मिलकर जब एक ही व्याकरण कोटि का कार्य करते हैं तो पदबंध कहलाते हैं। उदाहरण सहित लिखे जाने पर पूर्ण अंक दें।	2
	(ii) (क) क्रिया विशेषण पदबंध	1
	(ख) क्रिया पदबंध	1
6	(क) मिश्र वाक्य	1
	(ख) संयुक्त वाक्य	1
	(ग) तताँरा को देखा और वह फूट-फूट कर रोने लगी।	1
	(घ) जो परिश्रम करता है उनके लिए कुछ भी असंभव नहीं है।	1
7	(क) अत्यधिक (½x8)	4
	(ख) गण+ईश	
	(ग) दस हैं आनन जिनके दशानन अर्थात रावण, बहुब्रीहि समास	
	(घ) द्विगु समास	
	(ङ) मद-उपसर्ग, मूल शब्द - होश	
	(च) 'प्र' उपसर्ग से बना कोई भी शब्द यथा - प्रबल।	
	(छ) मूल शब्द - ओढ़, प्रत्यय - नी	
	(ज) 'आऊ' प्रत्यय से बना कोई भी शब्द - यथा - 'बिकाऊ'	
8	(i) वाक्य प्रयोग द्वारा अर्थ स्पष्ट होने पर पूरे अंक दिए जाएँ।	2
	(ii) (क) ''पाँचों उँगुलियाँ घी में है'' या इस अर्थ से जुड़े किसी भी मुहावरे/लोकोक्ति के प्रयोग पर पूरे अंक दें।	1
	(ख) 'एड़ी चोटी का जोर लगाना' 'लोहे के चने चबाना' या इस अर्थ से जुड़े किसी मुहावरे / लोकोक्ति पर पूरे अंक दें।	1
	किन्हीं दो के पर्यायवाची अपेक्षित :	
9	(i) औरत, स्त्री (1+1)	2
	बंधु, सहोदर	
	खग, विहग	
	सरिता, सलिला अथवा अन्य पर्यायवाची शब्द	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	किन्हीं दो शब्दों के विलोम अपेक्षित	
	(ii) नवीन (½+½=1) निरर्थक स्वाधीन विष	
	(iii) जड़ - पेड़ का जड़ निर्जीव, वाक्य प्रयोग द्वारा अर्थ में अन्तर स्पष्ट करने पर पूर्ण अंक दें। अर्थ - धन मतलब	1
10	(i) (क) कवि-कबीर कविता-साखी	1
	(ख) मीठी वाणी से स्वयं को एवं सुनने वालों को शीतलता एवं सुख मिलता है।	1
	(ग) ईश्वर सर्वव्याप्त है, किन्तु दुनिया वाले इस सत्य से अनभिज्ञ हैं।	2
	(घ) कवि ने अज्ञानता रूपी अंधकार की बात कही है। जिस प्रकार दीपक के जलने से चारों ओर प्रकाश छा जाता है उसी प्रकार ज्ञान प्राप्ति से अज्ञानता रूपी अंधकार दूर करन की बात कवि करते हैं।	2
	(ii) (क) कवि - रविन्द्र नाथ ठाकुर कविता - आत्मत्राण	1
	(ख) अगर लाभ न भी मिले किन्तु अपना पौरूष बल स्थिर रहे तो कवि उसे हानि नहीं मानना चाहता।	1
	(ग) कवि विपदा से बचना नहीं बल्कि जूझना चाहते हैं। वह विपदाओं से जूझकर विजयी बनना चाहते हैं न कि कायर की तरह विपत्ति से भागना चाहते हैं।	2
	(घ) कवि किसी सहायता के न मिलने पर अपने पुरुषार्थ अक्षुण्ण रहने की कामना करते हैं ताकि वह विषम परिस्थितियों से जूझ सके।	2
11	किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	
	(क) मीराबाई श्री कृष्ण को पाने के लिए उनकी दासी व मालिन बनने एवं कुंज गलियों में लीला गायन करने को तैयार है।	3
	(ख) कवि बिहारी ने माला जपने, तिलक लगाने को राम प्राप्ति का साधन नहीं माना है। उनका मानना है कि सच्चे मन से ही राम को पाया जा सकता है। वे बाह्य ढोंग और दिखावापन के बजाय आत्मिक शुद्धता पर बल देते हैं।	3

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	(ग) कवि के अनुसार व्यक्ति को दया, करूणा, सहिष्णुता एवं परोपकार आदि मानवीय गुणों को अपनाते हुए अपना जीवन व्यतीत करना चाहिए।	3
	(घ) पर्वत के हृदय से उठकर ऊँचे-ऊँचे वृक्ष आकाश की ओर अपनी नजरें विशाल नभ पर टिकाए हुए है जो अटल है, स्थिर हैं, किन्तु उनमें कुछ चिंताएँ भी हैं जो जगत की क्षणभंगुरता को लेकर है।	3
	(किसी अन्य भाव की तार्किक प्रस्तुति पर भी यथोचित अंक दिए जाए।)	
12	(i) प्रकृति के विविध रूपों के संग भिन्न-भिन्न प्रकार से तादात्मय बनाने हेतु तथा जीवन की परिवर्तित दशाओं के साथ तदनुरूप सामंजस्य के अनुरूप कवयित्री ने दीपक को हर बार अलग-अलग तरह से जलने को कहा है।	3
	(ii) तोप एक विनाशकारी शक्ति है जो अत्याचारी शासन व्यवस्था का प्रतीक है, किन्तु जब उस अत्याचारी शासन-व्यवस्था का अंत होता है तो वह विनाशकारी शक्ति निस्तेज होकर एक जगह पड़ी है। यह किसी उत्थान-चरम एवं पतन का प्रतीक है।	2
13	(क) दुनिया जब वजूद में आई तब कहीं कोई बँटवारा नहीं था। भूमि, नदियाँ, समुद्र, वन आदि सभी के लिए एक समान थे। बढ़ती आबादी के कारण इनका बटवारा हुआ तो इनके टुकड़े होते चले गए।	2
	(ख) समुद्र की सीमा छोटी होने लगी, पेड़-पौधे कम होने लगे, जंगलों को हटाया जाने लगा, जिससे पशु-पक्षियों की कई प्रजाति विलुप्त हो गई। प्राकृतिक असंतुलन पैदा होने लगा।	2
	(ग) गर्मी में ज्यादा गर्मी, बेवक्त की बरसातें, जलजले, सैलाब, तूफान और नित नए रोग मानव और प्रकृति के असंतुलन के परिणाम हैं।	2
	अथवा	
	(क) क्योंकि मैदान की सुखद हरियाली, हवा के हलके-हलके झोंके, फुटबाल की उछल-कूद, कबड्डी के दाँव-घात, बालीवॉल की तेजी और फुर्ती में लेखक अपने टाइम-टेबल को भूल जाता था।	2
	(ख) वह बड़े भाई साहब के साये से भी भागता, नजरों से दूर रहने की चेष्टा करता। सदैव सिर पर नंगी तलवार-सी लटकती महसूस करता।	2
	(ग) लेखक फटकार और घुड़कियाँ खाकर भी खेल कूद का तिरस्कार नहीं कर पाता, जिस प्रकार मौत और विपत्ति के बीच भी आदमी मोह और माया के बंधन में जकड़ा रहता, क्योंकि बालपन में / किशोरवय में खेल-कूद के प्रति लगाव स्वाभाविक है।	2

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
14	किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं-	
	(क) लेखक के मित्र ने मानसिक रोग के प्रमुख कारण दिमाग का तनाव बढ़ना बताया है जो दैनिक जीवन के अति व्यस्त बताए गए दिनचर्या, आपाधापी, प्रतिस्पर्धा, आदि के कारण उत्पन्न होता है। लेखक के मित्र द्वारा बताये गये कारण से हम सहमत हैं; क्योंकि आज के महानगरीय जीवन में हम इसे प्रायः देखते एवं महसूस करते हैं।	3
	(ख) पुलिस कमिश्नर के नोटिस में कहा गया कि अमुक-अमुक धारा के अनुसार कोई सभा नहीं होगी तथा जो सभा में भाग लेंगे वे दोषी समझे जायेंगे, जबकि कौंसिल के नोटिस में कहा गया कि मोनुमेंट के नीचे ठीक चार बजकर चौबीस मिनट पर झंडा फहराया जायेगा तथा स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़ी जायेगी।	3
	(ग) क्योंकि जो जितना बड़ा होता है वह उतना ही सहनशील भी होता है। यह सहनशीलता ही उसे बड़ा या महान बनाती है। यह संदर्भ समुद्र के संदर्भ में कहा गया है। जब बिल्डरों ने उसे पीछे धकेला, फिर और छोटा किया, करता गया किन्तु जब उसके अस्तित्व को नकारा जाने लगा तब वह विनाशकारी रूप में आया।	3
	(घ) शैलेन्द्र के गीतों की विशेषताएँ उनकी भाव-प्रवणता, उनका प्रवाह एवं समुद्र की सी गहराई लिए हुए थी। उनके गीत दुरूह नहीं बल्कि सहज और सरल थे। ठीक वैसे ही जैसे वह निजी जीवन में थे।	3
15.	(क) गिरगिट की एक विशेषता यह होती है कि वह परिवेश और अवसर के अनुसार रंग बदलता है। प्रस्तुत पाठ 'गिरगिट' में कहा गया है कि कई व्यक्ति अपने स्वार्थ के लिए परिस्थितियों के अनुसार अपनी बात, व्यवहार, दृष्टिकोण, विचार को बदल लेते हैं। यही कारण है कि ऐसे व्यक्तियों को गिरगिट कहा जाता है। इस पाठ में पुलिस इंस्पेक्टर ओचुमेलॉव इसका जीवंत प्रमाण है। अतः शीर्षक उपयुक्त और सार्थक है।	3
	(ख) बढ़ती हुई आबादी के परिणामस्वरूप मानव प्रकृति की विशालता को किस प्रकार कम करता जा रहा है यह परिवर्तन लेखक महसूस करता हैं। जहाँ दूर-दूर तक विशाल एवं सघन वन था वहाँ आज क्रंकीट की आलीशान बिल्डिंग हैं। परिणामतः न जाने कितने परिंदो-चरिंदो से उनका घर छीन लिया गया था वे विलुप्त हो गये या कहीं पलायन कर गये।	2
16	किसी एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है-	
	(क) महंत एवं हरिहर काका के भाई-दोनों की स्वार्थ लिप्सा को लोगों के सामने उजागर कर उनके प्रति सहानुभूति का भाव लोगों में जगाकर उनकी देखभाल के लिए ठोस योजना बनाने का प्रयत्न कर सकते हैं। उनकी जमीन-जायदाद से प्राप्त आय के अनुसार उनके भोजन-पानी एवं अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कुछ लोगों को दायित्व दिया जा सकता है। (किसी अन्य प्रकार से भी उचित सहायता के लिए अंक दिए जाए।)	4

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	(ख) शारीरिक संरचना एवं वेश-भूषा, अनुशासन-प्रिय, क्रोधी एवं कठोर स्वभाव, दबंग एवं चिन्ता-रहित।	
17.	किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं-	
	(क) महंत के संकेत पर ठाकुरबारी के साधु-संत हरिहर काका को उठाकर ले गए थे। पहले उन्हें समझा-बुझा कर सादे कागज़ पर अंगूठे का निशान लेने का प्रयास किया गया। सफलता न मिलने पर जबरदस्ती निशान लेकर हाथ-पाँव और मुँह बाँध कर कमरे में बंद कर दिया गया था।	2
	(ख) छात्र फौजी जवानों को हाथ में झंडा लिए भारी जूतों की ध्वनि के साथ मार्च करते देखकर आकर्षित होते थे। विद्यालय में वैसी ही परेड़ का अभ्यास करवाया जाता था। यथा-दाएँ-बाएँ घूमना, जूतों की ठक-ठक करते अकड़ कर चलना। अतः लेखक परेड़ करते समय स्वयं को वर्दीधारी फौजी जवान जैसा महत्त्वपूर्ण अनुभव करने लगता था।	2
	(ग) इफ़्फ़न की दादी जमींदार की पुत्री थीं। पीहर का घी-दूध, फलों के पेड़, कच्ची हवेली आदि उन्हें हमेशा याद आते रहते थे। यहाँ का मौलवी वातावरण उन्हें कभी रास नहीं आया। अतः वह अपने पीहर जाना चाहती थी।	2
	(घ) इफ़्फ़न की दादी, टोपी की दादी की भाँति कठोर एवं अनुशासन-प्रिय व्यवहार न कर स्नेहपूर्ण व्यवहार करती थी। उसे अपने पास बैठाकर बातें करती थी। उनकी भाषा तथा टोपी की माता की भाषा भी समान थी। अतः टोपी दादी बदलना चाहता था।	2